UNIT-2 (a)

पाठ्यक्रम का अर्थ तथा निर्माण के सिद्धान्त

पाठ्यक्रम का अर्थ :-

"कुरीकुलम" (Curriculum) शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के एक शब्द (क्यूरे) (Currere से हुई है, जिसका अर्थ है - Race-course (दौड़ का मैदान) इस प्रकार "पाठ्यक्रम वह दौड़ का मैदान है, जिस पर बालक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दौड़ता है।"

पाठ्यक्रम की प्राचीन अवधारणा में तथ्यों के ज्ञान की सीमा निश्चित करना सम्मिलित था। बौद्धिक विषयों के अर्थ में पाठ्यक्रम शब्द बहुत समय से प्रचलित था, परन्तु ये विषय पाठ्यक्रम के केवल अंग हैं सम्पूर्ण पाठ्यक्रम नहीं, इन विषयों की सामग्री को 'अन्तर्वस्तु' (content) कहा जाता है। कक्षा शिक्षण की दृष्टि से शिक्षक की सुविधा के लिए जब इस विषय-सामग्री को व्यवस्थित कर लिया जाता है तो उसे हम पाठ्य-विवरण कहते हैं।

पाठ्यक्रम का अर्थ निम्नलिखित परिभाषाओं से और अधिक स्पष्ट हो जाता है-

(1) कनिंघम के अनुसार :-

"पाठ्यक्रम कलाकार (शिक्षक) के हाथ में एक यन्त्र है जिससे वह अपनी सामग्री (विद्यार्थी) को आदर्श (लक्ष्य) के अनुसार अपने कलागृह (विद्यालय) में मोड़ता है।

(2) माध्यमिक शिक्षा आयोग के अनुसार :-

पाठ्यक्रम का अर्थ केवल उन सैद्धान्तिक विषयों से नहीं है, जो विद्यालय में परम्परागत ढंग से पढ़ाए जाते हैं, वरन् इसमें अनुभवों की वह सम्पूर्णता निहित है जिसको छात्र विद्यालय, कक्षा, पुस्तकालय वर्कशाप, प्रयोगशाला और खेल के मैदान तथा शिक्षकों एवं शिक्षकों के अगणित अनौपचारिक सम्पर्कों

(१२)

से प्राप्त करता है। इस प्रकार विद्यालय का सम्पूर्ण जीवन पाठ्यक्रम हो जाता है। जो छात्रों के जीवन के सभी पक्षों को प्रभावित कर सकता है और उनके सन्तुलित व्यक्तित्त्व के विकास में सहायता देता है।"

③ मुनरो के अनुसार:- "पाठ्यक्रम में वे समस्त अनुभव निहित हैं जिनको विद्यालय द्वारा शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए उपयोग में लिया जाता है।"

④ फ्रोबेल के अनुसार:- पाठ्यक्रम को मानव-जाति के सम्पूर्ण ज्ञान तथा अनुभव का सार समझना चाहिये"।

⑤ शिक्षा आयोग के अनुसार:- "विद्यालय पाठ्यक्रम अधिगम - अनुभव की वह समग्रता है जो विद्यालयों द्वारा बच्चों को विद्यालय में या उसके बाहर की बहुमुखी क्रियाओं द्वारा प्रदान की जाती है। ये समस्त क्रियाएँ विद्यालय के परिनिरीक्षण में सचालित की जाती हैं।"

29/08/2020

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया